DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

3 July, 2024

बुद्ध की मुद्राएँ

संदर्भ: *सोमवार को संसद में विपक्ष के नेता के रूप में अपने उद्घाटन भाषण में राहुल गांधी ने सभी धर्मों को जोड़ने वाले विषय का उल्लेख किया और विशेष रूप से 'अभय मुद्रा' का उल्लेख किया।*

➤ **धर्मचक्र मुद्रा-**

- **अर्थ:** संस्कृत में "धर्म का पहिया"।
- **प्रतीकात्मकता:** सारनाथ में बुद्ध के प्रथम उपदेश को दर्शाता है, जो धर्म चक्र की गति का प्रतीक है।
- **हाव-भाव:** दोनों हाथों के अंगूठे और तर्जनी अंगुलियाँ एक-दूसरे को छूकर एक वृत्त बनाती हैं।
- **प्रतिनिधित्व:** प्रथम ध्यानी बुद्ध, वैरोचन द्वारा प्रदर्शित।
- **महत्व:** बुद्ध की शिक्षाओं और ज्ञानोदय के मार्ग को दर्शाता है।

➤ **भूमिस्पर्श मुद्रा-**

- **अर्थ:** "पृथ्वी को छूना" या "पृथ्वी साक्षी" मुद्रा।
- **प्रतीकात्मकता:** बोधि वृक्ष के नीचे बुद्ध के ज्ञानोदय की याद में, पृथ्वी देवी को उनकी प्राप्ति का साक्षी बनने के लिए बुलाना।
- **हाव-भाव:** दाहिना हाथ उँगलियों को फैलाकर ज़मीन को छूता है, बायाँ हाथ ध्यान मुद्रा (ध्यान मुद्रा) में है।
- **प्रतिनिधित्व:** दूसरे ध्यानी बुद्ध, अक्षोभ्य द्वारा प्रदर्शित।
- **महत्व:** बाधाओं पर काबू पाने और ज्ञानोदय तक पहुँचने का प्रतीक है।

➤ **वरद मुद्रा-**

- **अर्थ:** "दान का भाव" या "वरदान देने वाली" मुद्रा।
- **प्रतीकात्मकता:** इच्छाएँ पूरी करने और करुणा दिखाने का भाव दर्शाता है।
- **हाव-भाव:** बायाँ हाथ स्वाभाविक रूप से लटका हुआ है, हथेली आगे की ओर है और उंगलियाँ फैली हुई हैं।
- **प्रतिनिधित्व:** तीसरे ध्यानी बुद्ध, रत्नसंभव द्वारा प्रदर्शित।
- **महत्व:** उदारता, नैतिकता, धैर्य, प्रयास और ध्यान की एकाग्रता का प्रतीक है।

➤ **ध्यान मुद्रा-**

- **अर्थ:** "ध्यान मुद्रा" या "ध्यान की मुद्रा"।
- **प्रतीकात्मकता:** एकाग्रता, ध्यान और आध्यात्मिक पूर्णता का प्रतिनिधित्व करता है।
- **हावभाव:** हाथों को पेट के स्तर पर या जांघों पर रखा जाता है, हथेलियाँ ऊपर की ओर होती हैं और उंगलियाँ फैली होती हैं।
- **प्रतिनिधित्व:** चौथे ध्यानी बुद्ध, अमिताभ द्वारा प्रदर्शित।
- **महत्व:** आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि की प्राप्ति और विधि (दायाँ हाथ) और ज्ञान (बायाँ हाथ) के मिलन का प्रतीक है।

➤ **अभय मुद्रा-**

- **अर्थ:** "निर्भयता का संकेत"।
- **प्रतीकात्मकता:** सुरक्षा, शांति और भय को दूर करने का प्रतिनिधित्व करता है।
- **संकेत:** दाहिना हाथ कंधे की ऊंचाई तक उठा हुआ, हथेली बाहर की ओर, उंगलियां सीधी और जुड़ी हुई; बायां हाथ बगल में नीचे लटका हुआ।
- **प्रतिनिधित्व:** पांचवें ध्यानी बुद्ध, अमोघसिद्धि द्वारा प्रदर्शित।
- **महत्व:** भय पर काबू पाने और परोपकार और निर्भयता को बढ़ावा देने का प्रतीक है।

➤ **वज्र मुद्रा-**

- **अर्थ:** "वज्रपात जैसा इशारा"।
- **प्रतीकात्मकता:** पाँच तत्वों (वायु, जल, अग्नि, पृथ्वी और धातु) और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक है।
- **इशारा:** बाएँ हाथ की सीधी तर्जनी को घेरे हुए तर्जनी के साथ दायाँ हाथ मुट्ठी में बाँधना।
- **महत्व:** वज्रयान शिक्षाओं की शक्ति, दृढ़ता और अविनाशी प्रकृति का प्रतिनिधित्व करता है।

➤ **वितर्क मुद्रा-**

- **अर्थ:** "चर्चा का इशारा" या "शिक्षण इशारा"।
- **प्रतीकात्मकता:** बौद्ध शिक्षाओं के बौद्धिक तर्क और चर्चा का प्रतिनिधित्व करता है।
- **इशारा:** अंगूठे और तर्जनी के सिरे एक दूसरे को छूकर एक वृत्त बनाते हैं, अन्य उंगलियाँ फैली हुई होती हैं।
- **महत्व:** ज्ञान और बुद्धि के संचरण का प्रतीक है।

➤ **ज्ञान मुद्रा-**

- **अर्थ:** "बुद्धि का इशारा" या "ज्ञान का इशारा"।
- **प्रतीकात्मकता:** आध्यात्मिक ज्ञान और पूर्णता के चक्र का प्रतिनिधित्व करता है।
- **इशारा:** अंगूठे और तर्जनी को छूकर एक चक्र बनाएं, हथेली हृदय की ओर अंदर की ओर हो।
- **महत्व:** आंतरिक ज्ञान और परम सत्य की प्राप्ति का प्रतीक है।

➤ **करण मुद्रा-**

- **अर्थ:** "राक्षसों को भगाने का इशारा" या "बुराई को दूर भगाने का इशारा"।
- **प्रतीकात्मकता:** बाधाओं और नकारात्मकता को दूर करने के लिए उपयोग किया जाता है।
- **इशारा:** तर्जनी और छोटी उंगलियां उठी हुई, अन्य उंगलियां मुड़ी हुई।
- **महत्व:** नकारात्मक प्रभावों से सुरक्षा और शुद्धिकरण का प्रतिनिधित्व करता है।

➤ **उत्तरबोधि मुद्रा-**

- **अर्थ:** "सर्वोच्च ज्ञानोदय का संकेत"।
- **प्रतीकात्मकता:** सर्वोच्च ज्ञानोदय की प्राप्ति और सार्वभौमिक ऊर्जा के साथ संबंध का प्रतिनिधित्व करता है।
- **इशारा:** हृदय के स्तर पर एक साथ हाथ जोड़े हुए, तर्जनी उँगलियाँ ऊपर की ओर इशारा करती हुई और आपस में जुड़ी हुई।
- **महत्व:** आध्यात्मिक उपलब्धि और ईश्वर के साथ मिलन का प्रतीक है।

➤ **अंजलि मुद्रा-**

- **अर्थ:** "अभिवादन का संकेत" या "प्रार्थना का संकेत"।
- **प्रतीकात्मकता:** सम्मान, कृतज्ञता और आराधना का प्रतिनिधित्व करता है।
- **इशारा:** हथेलियाँ हृदय चक्र पर एक साथ दबाई हुई, अंगूठे उरोस्थि को छूते हुए।
- **महत्व:** अभिवादन, प्रार्थना और आध्यात्मिक अभ्यासों में एकता और श्रद्धा का प्रतीक है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

3 July, 2024

निर्यात, आयात पर विनियमनों को युक्तिसंगत बनाना

संदर्भ: *2 जुलाई को, RBI ने व्यापार को आसान बनाने और विदेशी मुद्रा ग्राहकों की सेवा करने में बैंकों की दक्षता बढ़ाने के लिए निर्यात और आयात लेनदेन को नियंत्रित करने वाले विनियमनों को सुव्यवस्थित करने का प्रस्ताव दिया।*

➢ FEMA, 1999 के अंतर्गत मसौदा विनियम और निर्देश

- **निर्यात घोषणा आवश्यकता:** निर्यातकों को निर्दिष्ट प्राधिकारियों को एक घोषणा प्रस्तुत करनी होगी, जिसमें वस्तु या सेवाओं के पूर्ण निर्यात मूल्य का विवरण दिया गया हो।
- **प्राप्ति और प्रत्यावर्तन समय-सीमा:** वस्तु के लिए शिपमेंट तिथि और सेवाओं के लिए चालान तिथि से नौ महीने के भीतर पूर्ण निर्यात मूल्य प्राप्त किया जाना चाहिए और भारत को प्रत्यावर्तित किया जाना चाहिए।
- **गैर-अनुपालन के लिए सावधानी सूची:** प्रत्यावर्तन समय-सीमा को पूरा करने में विफल रहने वाले निर्यातकों को अधिकृत डीलरों द्वारा सावधानी सूची में डाला जा सकता है।
- **सावधानी-सूचीबद्ध निर्यातकों के लिए व्यापार प्रतिबंध:** सावधानी-सूचीबद्ध निर्यातक केवल पूर्ण अग्रिम भुगतान या अप्राप्य ऋण पत्र प्राप्त होने पर ही निर्यात कर सकते हैं, जो अधिकृत डीलरों को संतुष्ट करता हो।
- **सोने और चांदी पर आयात प्रतिबंध:** सोने और चांदी के आयात के लिए अग्रिम प्रेषण के लिए RBI से विशिष्ट अनुमोदन की आवश्यकता होती है।
- **प्रस्तावित विनियमों के उद्देश्य:**
  - विशेष रूप से छोटे निर्यातकों और आयातकों के लिए व्यापार करने में आसानी को सुगम बनाना।
  - प्राधिकृत डीलर बैंकों को विदेशी मुद्रा ग्राहकों को तीव्र एवं अधिक कुशल सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाना।

➢ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA), 1999

- **परिचय और पृष्ठभूमि:**
  - FEMA ने 2000 में FERA की जगह ली, जो भारत के आर्थिक उदारीकरण को दर्शाता है।
  - इसका प्राथमिक उद्देश्य बाहरी व्यापार और भुगतान को सुविधाजनक बनाना है, जिससे भारत के विदेशी मुद्रा बाजार का व्यवस्थित विकास सुनिश्चित हो सके।
- **क्षेत्र और प्रावधान:**
  - FEMA भारत में विदेशी मुद्रा से जुड़ी प्रक्रियाओं, औपचारिकताओं और लेन-देन को नियंत्रित करता है।
  - इसमें अन्य गतिविधियों के अलावा मुद्रा का अधिग्रहण, धारण, भुगतान, निपटान, निर्यात और आयात शामिल है।
  - RBI को अधिनियम को लागू करने के लिए नियम बनाने का अधिकार है, उल्लंघनों को नागरिक अपराध माना जाता है।
- **प्रवर्तन और दंड:**
  - दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय FEMA के प्रवर्तन की देखरेख करता है।
  - इसके उल्लंघन के कारण दंड और जुर्माना हो सकता है।
- **प्रयोज्यता:**
  - यह पूरे देश में लागू होता है और विदेशों में भारतीय एजेंसियों तक फैला हुआ है।
  - विदेशी मुद्रा, प्रतिभूतियाँ, निर्यात, आयात, बैंकिंग, वित्तीय, बीमा सेवाएँ इत्यादि से संबंधित है।
  -
  - इसमें एनआरआई और भारतीय नागरिकों के स्वामित्व वाली विदेशी कंपनियाँ शामिल हैं, चाहे वे भारत में रहते हों या विदेश में।
- **आरबीआई और अधिकृत व्यक्तियों की भूमिका:**
  - आरबीआई डीलरों, मनी चेंजर्स और ऑफशोर बैंकिंग इकाइयों जैसी अधिकृत संस्थाओं के माध्यम से विदेशी मुद्रा का प्रबंधन करता है।
  - ये अधिकृत व्यक्ति आरबीआई की निगरानी में विदेशी मुद्रा लेनदेन की सुविधा प्रदान करते हैं।

'शून्य भूख': विपरीत स्थिति

संदर्भ: *2 जुलाई, 2024 को जारी एक रिपोर्ट से पता चलता है कि दुनिया की लगभग 30% आबादी खाद्य असुरक्षा से पीड़ित है, और 42% स्वस्थ आहार का खर्च नहीं उठा सकते हैं।*

➢ वैश्विक खाद्य सुरक्षा चुनौतियाँ और अनुमान:

- 2030 तक लगभग 600 मिलियन लोगों को भूख का सामना करने का अनुमान है।
- चल रही वैश्विक चुनौतियों के कारण 'शून्य भूख' लक्ष्य बहुत दूर होता जा रहा है।

➢ खाद्य प्रणालियों पर वैश्विक घटनाओं का प्रभाव:

- महामारी, रूस-यूक्रेन संघर्ष और जलवायु संकट ने वैश्विक खाद्य प्रणालियों को बुरी तरह प्रभावित किया है।
- इन घटनाओं ने कमजोरियों को उजागर किया है और मौजूदा खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं में लचीलेपन की कमी को उजागर किया है।

➢ संयुक्त राष्ट्र समीक्षा और सतत विकास लक्ष्य:

- संयुक्त राष्ट्र 8 से 17 जुलाई, 2024 तक सतत विकास पर उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच के दौरान सतत विकास लक्ष्य 2 पर प्रगति का आकलन करेगा।
- इस समय खाद्य सुरक्षा, बेहतर पोषण और सतत कृषि को प्राप्त करने की दिशा में प्रगति रुक गई है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

3 July, 2024

➢ **खाद्य सुरक्षा पर निष्कर्ष:**

- कॉर्पोरेट नियंत्रित खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं ने व्यवधानों और बाजार की अस्थिरता के प्रति संवेदनशीलता दिखाई है।
- छोटे पैमाने की, स्थानीय खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाएँ अधिक लचीली और न्यायसंगत साबित हुई हैं, जो विविध, पौष्टिक खाद्य विकल्प प्रदान करती हैं।

➢ **स्थानीय खाद्य प्रणालियों के लाभ:**

- सार्वजनिक बाज़ारों, सहकारी समितियों और शहरी कृषि सहित स्थानीय खाद्य जाल, पौष्टिक और किफ़ायती भोजन के साथ समुदायों का समर्थन करते हैं।
- ये प्रणालियाँ वैश्विक झटकों और व्यवधानों के प्रति उच्च लचीलापन और अनुकूलनशीलता प्रदर्शित करती हैं।

➢ **सरकारों के लिए सिफारिशें:**

- स्थायी एवं छोटे पैमाने के उत्पादकों का समर्थन करने के लिए सार्वजनिक खरीद को पुनर्निर्देशित करें।
- सब्सिडी को ऐसे बुनियादी ढाँचे की ओर स्थानांतरित करें जो 'क्षेत्रीय बाज़ारों' को मज़बूत करे।
- स्थानीय बाज़ारों को कॉर्पोरेट प्रभुत्व से बचाएँ और सतत कृषि प्रथाओं को बढ़ावा दें।
- नीतिगत हस्तक्षेप के माध्यम से विविध आहार और जैव विविधता संरक्षण को प्रोत्साहित करना।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

भारत के मुख्य न्यायाधीश

हाल ही में, भारत के मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने कड़कड़डूमा में तीन न्यायालय भवनों के शिलान्यास समारोह में न्याय और समानता को न्यायपालिका के मुख्य मूल्यों के रूप में रेखांकित किया।

भारत के मुख्य न्यायाधीश के बारे में:

- भारत के मुख्य न्यायाधीश भारत में न्यायपालिका और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के प्रमुख हैं।
- वे न्यायिक प्रणाली के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भी कार्य करते हैं।
- भारत के मुख्य न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) के तहत राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- भारत के मुख्य न्यायाधीश को संसद द्वारा प्रत्येक सदन में विशेष बहुमत द्वारा समर्थित अभिभाषण के बाद राष्ट्रपति के आदेश द्वारा हटाया जा सकता है।
- मुख्य न्यायाधीश को भारत का नागरिक होना चाहिए और कम से कम पाँच वर्षों तक उच्च न्यायालय का न्यायाधीश या कम से कम दस वर्षों तक उच्च न्यायालय का अधिवक्ता या राष्ट्रपति द्वारा प्रतिष्ठित न्यायविद माना जाना चाहिए।
- वह भारत में न्यायपालिका और सर्वोच्च न्यायालय का प्रमुख होता है और न्याय प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसमें मामलों को सौंपना और पीठों का गठन करना शामिल है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) का कार्यकाल 65 वर्ष की आयु तक होता है। भारत के पहले मुख्य न्यायाधीश हरिलाल जेकिसुंदस कनिया थे, जिन्होंने 1950 से 1951 तक पद धारण किया।

यूनेस्को

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने एक चेतावनी जारी करते हुए कहा कि 2050 तक भूमि की सतह का 90 प्रतिशत हिस्सा क्षरित हो सकता है।

यूनेस्को के बारे में:

- यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन), संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है।
- इसकी स्थापना 16 नवंबर 1945 को शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और संचार में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।
- यूनेस्को के आम सम्मेलन का पहला सत्र नवंबर-दिसंबर 1946 के दौरान पेरिस में आयोजित किया गया था।
- यह विश्व विरासत कार्यक्रम का संचालन करता है, जो उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य के सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत स्थलों की पहचान करता है और उनकी सुरक्षा करता है।
- यूनेस्को के 193 सदस्य और 11 सहयोगी सदस्य हैं (अप्रैल 2020 तक) और इसे आम सम्मेलन और कार्यकारी बोर्ड द्वारा चलाया जाता है।
- कुछ यूनेस्को सदस्य संयुक्त राष्ट्र का हिस्सा नहीं हैं, जैसे कुक आइलैंड्स, नियू और फिलिस्तीन, जबकि कुछ संयुक्त राष्ट्र सदस्य, जैसे इज़राइल, लिकटेंस्टीन और संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनेस्को के सदस्य नहीं हैं। इसका मुख्यालय पेरिस, फ्रांस में स्थित है।

LOFAR

हाल ही में, खगोलविदों ने लो-फ्रीक्वेंसी ऐरे (LOFAR) का उपयोग करके एक नई रेडियो आकाशगंगा की खोज की है।

LOFAR के बारे में:

- LOFAR (लो-फ्रीक्वेंसी ऐरे) एक रेडियो टेलीस्कोप है जो 10-240 मेगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी रेंज में काम करता है।
- यह यूरोप और नीदरलैंड में फैले द्विध्रुवीय एंटेना की एक सरणी से बना है और दुनिया का सबसे बड़ा वितरित रेडियो टेलीस्कोप है।
- इसका मुख्य उद्देश्य कम रेडियो आवृत्तियों पर खगोल विज्ञान का अध्ययन करना है और इसे खगोल भौतिकी अनुसंधान की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए सबसे कम आवृत्ति रेडियो व्यवस्था को खोलने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- LOFAR के स्टेशनों को कोर, रिमोट या अंतर्राष्ट्रीय के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि वे सरणी के केंद्र से कितनी दूर हैं।
- स्टेशन हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्शन का उपयोग करके एक केंद्रीय प्रसंस्करण इकाई को संकेत भेजते हैं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- नीदरलैंड में इसके 38 स्टेशन हैं, जर्मनी में 6, पोलैंड में 3 और फ्रांस, यूके, स्वीडन, आयरलैंड और लातविया में 1-1 स्टेशन हैं।
- इसे आधिकारिक तौर पर 2010 में नीदरलैंड की रानी बीट्रिक्स द्वारा खोला गया था, और दिसंबर 2012 में नियमित अवलोकन शुरू हुआ।

अराकू कॉफी

हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री ने अपने 'मन की बात' संबोधन में 'अराकू' कॉफी की प्रशंसा की, और इसके अनूठे स्वाद पर प्रकाश डाला।

अराकू कॉफी के बारे में:

- अराकू कॉफी आंध्र प्रदेश और ओडिशा राज्य के पूर्वी घाटों में स्थित अराकू घाटी में उगाई जाती है।
- इसे आदिवासी किसानों द्वारा जैविक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों का उपयोग करके उगाया जाता है।
- यह कॉफी अपनी समृद्ध सुगंध और विशिष्ट स्वाद प्रोफ़ाइल के लिए जानी जाती है, जिसे अक्सर चॉकलेट और फलों के नोटों के साथ चिकना बताया जाता है।
- इसे 2019 में भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग से मान्यता प्राप्त थी।
- घाटी में मौसम, गर्म दिन और ठंडी रातें, लोहे से भरपूर मिट्टी के साथ मिलकर कॉफी को धीरे-धीरे पकने में सक्षम बनाता है, जिसके परिणामस्वरूप सुगंधित समृद्धि और बेहतर स्वाद होता है।
- यह कॉफी हरी खाद, जैविक खाद और जैविक कीट के उपयोग से बनाई जाती है।

हाथ, पैर और मुँह की बीमारी

हाल ही में, जापान में, हाथ, पैर और मुँह की बीमारी के (HFMD) संक्रमण ग्रस्त लोगों की संख्या लगभग पाँच वर्षों में पहली बार पूरे देश में चेतावनी स्तर को पार कर गई है।

हाथ, पैर और मुँह की बीमारी के बारे में:

- हाथ, पैर और मुँह की बीमारी (HFMD) एक संक्रामक बीमारी है जो हाथों, पैरों और मुँह पर और कभी-कभी डायपर क्षेत्र, जननांगों और नितंबों पर छाले और चकत्ते पैदा करती है।
- यह आमतौर पर कॉक्ससैकीवायरस A16 के कारण होता है, जो एंटरोवायरस का एक प्रकार है।
- यह बहुत संक्रामक है और बिना धुले हाथों, लार, बलगम, मल और छालों से निकलने वाले तरल पदार्थ के माध्यम से फैल सकता है।
- यह 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में सबसे आम है, लेकिन यह किसी को भी हो सकता है।
- इस बीमारी के लक्षणों में बुखार, मुँह और गले में दर्दनाक लाल छाले, हाथों और पैरों पर त्वचा पर चकत्ते और धब्बे शामिल हैं जो छालों में बदल सकते हैं।

सुर्खियों में स्थल

बहरीन

हाल ही में, बहरीन में भारतीय दूतावास ने भारतीय सांस्कृतिक विविधता और क्षेत्रीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए अपने वाणिज्य दूतावास कक्ष में ओडिशा राज्य पर्यटन और एक जिला एक उत्पाद (ODOP) दीवारों का उद्घाटन किया, जिसमें ओडिया समुदाय के सदस्य उपस्थित थे।

बहरीन (राजधानी: मनामा)

स्थान: बहरीन, जिसे आधिकारिक तौर पर बहरीन साम्राज्य के रूप में जाना जाता है, पश्चिम एशिया में एक द्वीप देश है।

सीमाएँ: बहरीन कतर (दक्षिणपूर्व) और सऊदी अरब (पश्चिम) के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करता है।

भौतिक विशेषताएँ:

- बहरीन का सबसे ऊँचा स्थान जेबेल दुखन है, जिसे धुएँ का पहाड़ भी कहा जाता है।
- बहरीन में सीमित प्राकृतिक खनिज संसाधन हैं, जिनमें तेल और प्राकृतिक गैस के कुछ भंडार सबसे महत्वपूर्ण हैं।
- बहरीन में रेगिस्तानी जलवायु है, जिसमें गर्म ग्रीष्मकाल और हल्की सर्दियाँ होती हैं।

सदस्यता: बहरीन संयुक्त राष्ट्र (यूएन), खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) और अरब लीग सहित कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है।

POINTS TO PONDER

- मिनामिटोरिशिमा द्वीप कहाँ स्थित है? – **प्रशांत महासागर**
- किस राज्य सरकार ने हाल ही में 'मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना शुरू की है? – **राजस्थान**
- अमीबिक मेनिंगोएन्सेफेलाइटिस (पीएएम) क्या है? – **केंद्रीय तंत्रिका तंत्र का एक दुर्लभ, आमतौर पर घातक संक्रमण**
- हाल ही में कौन सा देश अपने पूरे जीव-जंतुओं की सूची तैयार करने वाला पहला देश बन गया है? – **भारत**
- किस टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर 9वां आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप जीता? – **भारत**